पाठ्यक्रम निर्माण समिति :

क्र.	नाम	पदनाम	विभाग	कॉलेज/विश्वविद्यालय
1	डॉ. पुनीत बिसारिया, संयोजक	अध्यक्ष – हिन्दी विभाग	हिन्दी	बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी
2	प्रो॰ अनिल राय, सदस्य	अध्यक्ष – हिन्दी विभाग	हिन्दी	दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
3	डॉ. वीरेंद्र सिंह यादव, सदस्य	सह आचार्य – हिन्दी विभाग	हिन्दी	डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ
4	डॉ. यतेंद्र सिंह कुशवाहा, सदस्य	सहायक आचार्य – हिन्दी विभाग	हिन्दी	डी. ए. वी. कॉलेज, कानपुर

GENERAL PROGRAMME OUTCOMES

- विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत हिन्दी साहित्य एवं भाषा का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होगा।
- साहित्य के मूलभूत स्वरूप, यथा विभिन्न विधाओं, हिन्दी के रोज़गारपरक स्वरूप आदि की जानकारी प्राप्त होगी।
- विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा अर्थात हिन्दी में रोजगार कौशल प्राप्त होगा।
- भाषा, साहित्य तथा संस्कृति की अन्तर्सम्बद्धता के प्रति विद्यार्थियों में समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता तथा नैतिक चरित्र की भावना का विकास होगा|
- कंप्यूटर, सिनेमा, अनुवाद आदि के माध्यम से विद्यार्थियों को नए समाज की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाने का प्रयास किया जाएगा|

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES

- बी. ए. प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर के **'हिन्दी काव्य'** प्रश्नपत्र के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा में हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिन्दी काव्य के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना।
- बी.ए. प्रथम वर्ष द्वितीय सेमेस्टर के **'कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर'** प्रश्नपत्र के अंतर्गत हिन्दी के विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वे कार्यालय के समस्त कार्यों को सुगमतापूर्वक कर सकें एवं उन्हें कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान देकर कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने में सक्षम बनाना ताकि वे समुचित रोज़गार प्राप्त कर सकें।
- बी.ए. द्वितीय वर्ष तृतीय सेमेस्टर के **'हिन्दी गद्य'** प्रश्नपत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों, कथाकारों, नाटककारों, एकांकीकारों, निबंधकारों एवं अन्य गद्य विधाओं के लेखकों के महत्त्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना, ताकि विद्यार्थी इन सभी विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।
- बी.ए. द्वितीय वर्ष चतुर्थ सेमेस्टर के **'हिन्दी अनुवाद'** प्रश्नपत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिन्दी के साथ-साथ अंग्रेजी की प्रारंभिक जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम बनाना तथा भारतीय संस्कृति और साहित्य के वैश्विक प्रचार प्रसार में सहायक बनाना और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।
- बी.ए. तृतीय वर्ष पंचम सेमेस्टर सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र **'साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना'** के अंतर्गत विद्यार्थी को साहित्यशास्त्र एवं आलोचना के अर्थ, महत्व और विषय-क्षेत्र से परिचित कराना तथा उन्हें हिन्दी आलोचना के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षात्कार कराना|
- बी.ए. तृतीय वर्ष पंचम सेमेस्टर सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र **'हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य'** के अंतर्गत हिन्दी साहित्य एवं सिनेमा की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति अनुराग जाग्रत करना और उन्हें भारतीय संस्कृति की विशिष्टता और महानता के विविध पक्षों से अवगत कराना और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।

- बी.ए. तृतीय वर्ष षष्ठ सेमेस्टर सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र **‘भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि’** के अंतर्गत विद्यार्थियों को भाषा के अंगों, हिन्दी भाषा के उद्भव तथा विकास और देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी कराना एवं उन्हें हिन्दी की वैज्ञानिक एवं संवैधानिक स्थिति से परिचित कराना।
- बी.ए. तृतीय वर्ष षष्ठ सेमेस्टर सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र **‘लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति** के अंतर्गत विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्वपूर्ण योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा लोक संस्कृति के विकास क्रम से विद्यार्थियों को अवगत कराना।